रात्री क्लास ओम शान्ती 1-4-2-66

कोई भी चित्र समझा सकते हैं जैसे विनाश काले यादव कौरव और पाण्डवाले चित्र हैं इस पर जासे समझाये कि भगवानो वाच इस समय सृष्टी पर कौन-2 सी सेनायें खड़ी हैं। यौरपवासी यादव जिन्होंने मूसल निकाले अपने कुल का विनाश किया मा करने। 5000 वर्ष पहले भी यही बाम्बस थे जिससे यूरपवासी यादव कुल का विनाश हुआ था। कोई भी चित्र उठाये उस पर समझाना चाहिये कि हम होते तो प्रदर्शनी ऐसे समझाते। यह मूल महाभारत लड़ाई के समय के मशहूर हैं। साईंस धर्म से निकाले हैं। बुधी से निकाले हैं। यह काम में जरूर आवेंगे रख नही सकते हैं। रख कर क्या करेंगे। दाम खाया हुआ है। इस्तेमाल करने ही होंगे। 5000 साल पहले भी मूसल निकाल अपने कुल का विनाश किया था। आदी सनातन देवी देवता धर्म की स्थापना होती है। और का विनाश होना चाहिये। कौरव पाण्डव असुर और देवताओं की युद तो है नही। बाप बैठ समझाते हैं कि यवनों का राज्य था थोड़े ही। यह तो पाकिस्तान अभी बना है। अनेक राजधानी बन गई हैं। पाण्डव कौरव नही लड़े। यवनों की लड़ाई है। नैचरल कैलेमिटज़ से भी विनाश होना है। वर्ल्ड की हिस्टरी जाग्राफी चेंज होनी है। नई दुनिया जरूर चाहिये। तो ऐसे-2 समझाना पड़े। एक चित्र पर समझाया फिर दूसरा चित्र। यह योग में बैठे हैं बुधी बाप के साथ है। भगवानोवाच है मामएकम या करो मे पतित पावन हूं। कृष्ण नही है। भगवान को गाईड लिबरेटर कहा जाता है। गाईड क्या करेंगे? पवित्र आत्माओं को ले जावेंगे। सबको कहते हैं देह के धर्म छोड़ो। अपने को आत्मा निश्चय करो तो पावन बन जावेंगे। यही तो हिसाब किताब चुकतु कर वापस जावेंगे। पुरानी दुनिया का विनाश नई दुनिया की स्थापना हो रही है। हम बाप को याद करते हैं माया भूला देती है। भारत का योग मशहूर है। अच्छा फिर और चित्र। जब कोई बिमार पड़ते हैं तो पिछे गैसे पर चलसते हैं। अब भारत का भी यही हाल है। बाप ने समझाया अमृत पियो विरव छोड़ो। यह विरव मांगते हैं हम पवित्र बनना चाहते हैं। सतयुग में थी ही वाईलैस दुनिया। योगबल से क्या नही हो सकता है। चित्रों पर समझाने की यहां रोजु प्रैक्टिस करनी चाहिये। उन्नती भी होगी बहुत चित्र हैं, त्रिमूर्ती पर भी समझा सकते हैं। सारी हिस्ट्री जाग्राफी आ जाती है। ऐसे-2 प्रैक्टिस करने से मुख खुल जावेगा। रूहानी सर्विस के लायक बन जावेंगे। अपनी उन्नती भी करेंगे। भूतों को भी भगाना है। बाबा जब बाहर जावेंगे कब भी किसीको अलाऊ नही करेंगे। दिन प्रति दिन हिट्टक होते जावेंगे। कोई आकर बकवाद करे ठीक नही। तुमको उनसे वाद विवाद नही करना है। सब सब्जैक्टस में होशियार होना चाहिये। दिन प्रति दिन उन्नती को पाना चाहिये। बहुत सैन्टरस ऐसे हैं जो ब्राहमणी बदली हो जाती है तो लूले लंगड़े हो जाते हैं। समझाना सीख जावेंगे तो ऐसे नही कहेंगे कि हमको फलानी ब्राहमणी चाहिये। मुख्य है ही सीढ़ी का चित्र। लक्ष्य का चित्र बाबा ख्याल कर रहे हैं कि लक्ष्य का चित्र छपावें 13×4 साईज़ में हम छपा सकते हैं। कोई नां कोई जाग पड़ेंगे। बाबा लिख देंगे अच्छा करके छपाओ। प्रदर्शनी डिपार्टमैन्ट को बुधी चलानी चाहिये। कौन-2 से चित्र जरूरी हैं वो फिर छपाये भी सकते हैं। नही तो बाबा समझेंगे कोई सैन्सीबुल बच्चे नही हैं। बाबा कहे कि मुख्य जरूरी जरूरी छोटे-2 चित्र छोटे सैन्टरों को भी मिल जावें तो वो भी सीखें। समझाने वाले आईडिया भी दे सकते हैं। बाबा यह चित्र भी होने चाहिये। नम्बरवार चित्र भी हैं। बाबा लिखेंगे छोटे सैन्टरस लिये छोटे बनाओ। बड़े सैन्टरस के लिये ट्रान्सलाईट के भी बना सकते हैं। प्रदर्शनी कमेटी का ख्याल चलता रहना चाहिये। देहली में स्वदर्शन चक्र अच्छा है उनकी बुधी अच्छी है। तो चित्रों पर भी ध्यान देना चाहिये। बाबा समझेंगे अच्छे बाबा के मददगार हैं। दिल पर भी चढ़ेंगे। रोजु चित्रों पर अभ्यास कर समझो। शरीर भी बहुत कैप्चुबुल है। जो जीना है तो ज्ञानामृत पीना है। लूला हो लंगड़ा दौड़ यह सब कमाई कर सकते हैं। अपने भविष्य के लिये। भले सोया पड़ा हो। मुरली सुनानल चाहिये। क्लास करने लिये हुलास करना चाहिये। बिमार हो तो उनको जाकर गीता सुनानी चाहिये। शिव बाबा कहते हैं मामएकम याद करो। तो तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जावेंगे। सर्विस का शौक होना चाहिये।

नोट:- जयपुर में तिलक नगर वाला सैन्टर है जो उसमें जयपुर के साथ 4 (चार) नम्बर भी लिखना है। आज कल वहां नम्बर सिस्टम चालु हुई है इसलिये ध्यान रहे जी। अच्छा अब विदाई